सर्वशिक्षा अभियान,केरल

सतत मूल्यांकन-यूनिट टेस्ट 2011-12

हिंदी (यू.पी.)

अध्यापकों से..

- अगस्त तक के पाठभाग के आधार पर यह प्रश्नपत्र तैयार किया है।
- हरएक प्रोक्ति केलिए एक से अधिक प्रक्रियायें दी गयी हैं।
- उन प्रक्रियाओं से उचित किसी एक प्रक्रिया चुनें।
- सभी प्रोक्तियाँ करवाने की जरूरत नहीं।
- समय के अनुसार उचित प्रोक्तियाँ चुन लेनी है।
- पाँचवीं कक्षा में मौखिक परीक्षा को प्रमुखता देनी है। चित्रकथा और विवरण केलिए एक से अधिक चित्र दिये है। लेखन और मौखिक - दोनों केलिए इन चित्रों का उपयोग करें।

सर्वशिक्षा अभियान,केरल

सतत मूल्यांकन-यूनिट टेस्ट 2011-12

हिंदी (यू.पी.)

कक्षा-VI

I. प्रक्रिया-वार्तालाप आगे बढायें।

१. अप्पू और अम्मू स्कूल जा रहे थे। वे चौराहे पहुँचे। वहाँ दूकान के बरामदे में बैठकर एक गांववाला अखबार जोर से पढ रहा है।

एक दिन केलिए एक घडा पानी।

कोल्लमः-कलयपुरम गांव में पानी की कमी। पंचायत समिति वहाँ पानी पहूंचाती है। लेकिन एक परिवार को दिन भर केलिए एक घडा पानी। इससे लोग बहुत परेशान हैं।

अप्पूः-अम्मू, खबर सुना?

अम्मूः- .....

२. उण्णिक्कुट्टन किसी आवाज सुनकर उठा। उसने बाहर आकर देखा तो माँ खडी हैं। उण्णिक्कुट्टन ने पूछा- क्या है माँ ?

बेटा, हमारे जंगली पेड काटने केलिए लोग आये हैं।

पेड काटने से यहां के जीवजन्तु कहाँ जाएंगी?।

एक क्षण सोचकर उण्णिक्कुट्टन दौडकर वन संरक्षण समिती के अध्यक्ष गोपालजी के पास पहूंचा

उण्णिक्कुट्टनः गोपालजी,गोपालजी...एक खबर है।

गोपालजीः .....

३. सुबिन और पिताजी टी.वी.देख रहे हैं। टी.वी.में समाचार का समय। मुख्य समाचारों में एक।

> सब्जियों का दाम दिन ब दिन बढ रहा है।तमिलनाडु में बाढ होने के कारण फसलों का नाश हुआ।इसलिए केरल की ओर सब्जियां नहीं आती।

सुबिनः पिताजी, ऐसा है तो हम क्या करेंगे?

पिताजीः बेटा, ...

४. जितिन एक गरीब लडका है। उसकी माँ बडी कठिनाई से उसका पालन -पोषण कर रही हैं। नदी के किनारे एक झोंपडी में वे रहते हैं। दो दिनों से गाँव में भारी वर्षा है। बाढ में जितिन का घर बह गया। सब कुछ नष्ट हो गया। उसने दुःखी होकर माँ से कहा

जितिनः- माँ, अब हम कहाँ जाएंगे?

माँः- .....

५. अनिला माता-पिता के साथ शहर में रहती है। उसको हमेशा नानी के गाँव की याद आती है। सब कहीं हरियाली है। हरा-भरा खेत, चिडियों की चहचहाहट, नदी - नालों का कल-कल शब्द। एक दिन वह माता-पिता के साथ नानी के घर पहुँची। वह खेत की ओर दौडी। लेकिन वहाँ का दृश्य देखकर वह चौंक उठी। कितना सुंदर खेत था, लेकिन आज मिट्टी का ढेर। दुखी होकर वह नानी के पास पहूंची।

अनिलाःनानी...नानी .....

नानीः क्या है बेटी? तू अब तक कहाँ थी?

अनिलाः .....

नानी : .....

६. जे.सी.बी की घोर आवाज सुनकर रषीद घर से बाहर आया। वहाँ जे.सी.बी वाले मिट्टी खोद रहा है। रषीद को बहुत दुःख हुआ। हमारा मैदान नष्ट हो रहा है। वह जल्दी पिता के पास पहुँचा।

रषीदःपिताजी,ये जे.सी.बी वाले क्या कर रहे हैं?

पिताजीः-.....

रषीदः-.....

II. प्रक्रिया-गीत आगे बढाएं।

१. गांधी जयंती दिवस। उलनाड पंचायत स्कूल के बच्चे बाजार और सडक साफ करने लगे। वे बडे उत्साह में हैं। विमल ने एक गीत गाया।

बच्चे हैं हम भारत के,
काम करें हम वीर सपूत
साफ करें हम स्वस्थ रहें,
यही हमारा गौरव है।
.....

२. सुधीर के घर के पास एक पीपल का पेड है। पेड पर अनेक जीव-जंतु रहते थे। रोज सुधीर और उनके साथी पीपल के नीचे खेलते हैं। वे पेड की डालियों पर बैठकर पशु-पक्षियों के साथ मिल-जुलकर गाना गाते हैं।

आओ, दोस्तो मिलकर गाएं
प्रकृति की हम संतान हैं,
यही हमारी दुनिया है,
यही हमारा जीवन है।
.....

३. जंगल का परिचय पाने केलिए 'हरिता क्लब' के नेतृत्व में बच्चों केलिए 'वनदर्शन' नामक एक कार्यक्रम चलाता है।
वन कर्मचारियों के साथ वे जंगल पहूंचे।बच्चे बहुत उत्साह में है। वे गाते, नाचते
आगे बढे।

कितनी सुंदर हरियाली है
कितनी सुंदर जलवायु है
पेड-पेड पर चिडियाँ कितनी ।
कल - कल गाती नदियाँ कितनी
.....

४. मोहन का गांव एक जंगल के पास है। एक दिन उसको जंगल से एक चिडिया मिली।मोहन ने चिडिया को घर लाकर एक पिंजरे में डाला। कई दिन बीत गये, लेकिन चिडिया गाती नहीं। अंत में मोहन ने उसे वापस छोडने का वादा दिया तो चिडिया गाने लगी।

आसमान में उडना मुझ को
बादलों से बातें करके,
पेड पेड पर बैठना मुझ को
फूल - फलों से बातें करके
.....

५. प्रभात का समय। मणिक्कुट्टी घर से बाहर निकली।बाग की ओर दौडी। अपने बाग में नये-नये फूलों से बातें करती, तितलियों के पीछे दौडती,मधु मक्खियों के साथ गाना गाती है।

देखो कितना सुंदर बाग,
रंग-रंग के फूल खिले हैं,
आयी तितली, मधु-मक्खी,
सीखो दोस्ती उनसे हम।

.....

III. प्रक्रिया - डायरी लिखें

१. गोमस एक गरीब लडका है।वह छठीं कक्षा में पढता है।वह पढाई में समर्थ है। सफिया टीचर उसे बहुत प्यार करती हैं। पढाई केलिए सारी सहायता टीचर देती हैं। सभी विषयों को 'ए- ग्रेड' है। एक दिन टीचर ने कहा- " गोमस,मुझे तबादला (Transfer)है। दूर एक स्कुल में।कल जाना है। तू अच्छी तरह पढना "।
उस दिन की डायरी में गोमस ने क्या-क्या लिखी होंगी ?

२. सतीश स्कूल से घर पहूँचा।
माँ ने कहा - " बेटा, ट्यूषन मास्टर अस्पताल में है। "
" क्या हुआ, माँ? "
" कुछ लोगों ने उन्हें बुरी तरह पीटा। "
" क्यों ? "
" दंगा रोकने की कोशिश की। "
" भले आदमियों के साथ ऐसा व्यवहार!यह कैसी दुनिया? "

३. स्कूल में 'अगर कटे जंगल'पाठ का नाटकीकरण हुआ।सूरज ने बडे पौधे का अभिनय किया। सबों ने उसकी प्रशंसा की।यह सूरज के जीवन का पहला अनुभव था। वह बहुत खुश हुआ।वह घर लौटकर अपना डायरी लिखने लगा।

४. फैसल के घर में एक कटहल का पेड है। इस कटहल में गिलहरी, कोयल आदि जीव-जन्तु रहते थे। वे सब फैसल के मित्र थे। शाम के समय वह मित्रों के साथ इसी कटहल के नीचे खेलता है। एक दिन उसके पिता ने कटहल का पेड व्यापारी को बेचा।फैसल को बहुत दु:ख हुआ। दु:खी मन से फैसल ने उस दिन की डायरी लिखी।

५. शेखर एक गरीब बालक है।उसके बचपन में ही पिता मर गया। कुछ ही सालों में उसका एकमात्र सहारा माता भी मर गयी। किसी ने उसको शरणालय पहूँचाया। शरणालय में बैठकर वह अपनी माँ के बारे में सोचने लगा और डायरी लेकर लिखने लगा।

IV. कहानी आगे बढायें

१. गाँव में एक पीपल का पेड था। उसके ऊपर घोंसला बनाकर एक बगुला रहता था। उसके दो बच्चे भी थे। एक दिन खाने की तलाश में बगला दूर गया। दाना लेकर आया। घोंसलों की ओर देखकर वह चौंक गया।.....

२. अरुण छठी कक्षा का छात्र है। उसके घर के सामने सडक है। सडक के किनारे एक आम का पेड है। उस पर एक गिलहरी रहता है। अरुण और गिलहरी मित्र हैं।.....

३. एक गाँव में एक नानी माँ रहती थी।उसके घर के आंगन में एक बरगद का पेड था। उसके बिल में एक साँप रहता था। गर्मी की छुट्टियों में नानी के पोते रजी और सजी वहाँ आये।.....

४. खेत में फसल कटाई हुई।गिरे हुए दाने चुगने कुछ कबूतर वहाँ आया करते थे। एक दिन खाने के बाद सारे कबूतर उड गये। लेकिन एक छोटा कबूतर उड नहीं सका। रहीम ने यह देखा।.....

५. नीतु एक दिन स्कूल से लौट रही थी।गाडी से टकराकर एक मरी कुतिया सडक के किनारे पडी थी। उसका बच्चा पास बैठकर रो रहा था।यह देखकर नीतू को दया आयी।.....

V. प्रक्रिया - टिप्पणी लिखें

१. पल्लावूर सरकारी स्कूल में पर्यावरण दिवस की असंब्ली में प्रधान अध्यापक ने पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर एक भाषण दिया। उन्होंने कहा- " प्रकृति का संतुलन बनाए रखने केलिए पर्यावरण संरक्षण अनिवार्य है। विभिन्न प्रकार से हम पर्यावरण का संरक्षण कर सकते हैं।जैसे-पेड लगाना,वन नष्ट न करना,विभिन्न प्रकार के प्रदूषण(जल,वायू,मिट्टी...) रोकना, रासायनिक खाद,कीटनाशक आदि का उपयोग न करना आदि।सभी जगहों को साफ रखना चाहिए।प्लास्टिक से बनी हुई चीजें प्रकृति केलिए हानिकारक है।रासायनिक खाद और कीटनाशकों के उपयोग से मिट्टी एवं जल दूषित हो जाते हैं।यह मनुष्य एवं सभी जीवजंतुओं केलिए हानिकारक है।इसलिए बच्चो,हम आज से हमारी प्रकृति को दूषित करनेवाली कोई काम नहीं करेंगे।ऐसा दृढ निश्चय मन में लेना और इसका पालन भी करना है। "

२.

जंगली आग, दस एकड खेती जल गयी।

पुनलूर:कोल्लम-तेनी राज मार्ग के निकट जंगली आग से दस एकड खेती का नाश हो गया।जंगल से मिली हुई कृषिभूमि में आग लग गई। वर्षा के कमी के कारण जंगल के सारे पेड-पौधे सूख गए हैं। मनुष्य जंगलों का नाश करता है। जंगलों के नाश से समय पर वर्षा नहीं होती है। पेट काटने से भूरक्षण होता है। इसलिए वर्षा होने पर भी पानी नहीं टिकता। ऐसी जंगल में लगी आग कृषिभूमि की ओर फैली।

रपट पढा ? इसके आधार पर टिप्पणी लिखें।

३. केंन्द्र पर्यावरण संरक्षण समिति के अध्यक्ष, कासरगोड जिले के कर्षकोत्तम पुरस्कार से सम्मानित किसान केशव से साक्षात्कार केलिए आये।

अध्यक्ष : आप के इस विजय का कारण क्या है?

केशव : मैं केवल जैव वस्तुओं का उपयोग करता हूँ।

अध्यक्ष : आप रासायनिक खादों का उपयोग क्यों नहीं करते?

केशव : फसल में बढावा तो होती है, लेकिन वह कृषि भूमी केलिए हानिकारक है। कुछ ही सालों में मिट्टी की उत्पादन क्षमता नष्ट होती है।

अध्यक्ष : क्या यही कारण से तुम इसका उपयोग नहीं करते?

केशव : नहीं नहीं।यह मानव,पेड-पौधे,अन्य जीव-जंतू सब केलिए हानिकारक है। जल भी दूषित हो जाता है।

इस साक्षात्कार के आधार पर टिप्पणी लिखिए।

४. रोहन के स्कूल में स्वतंत्रता दिवस बडी धूमधाम से मनाया गया।ध्वजारोहण के बाद प्रधान अध्यापक ने एक बडा भाषण दिया। उन्हें ने कहा - "हम सब भारत माता के संतान है। भारत विविधता में एकता रखनेवाला राष्ट्र है। यहाँ विवध धर्म के लोग-हिंदू, ईसाई, मुसलमान, सिक्ख आदि भाई - भाई के समान रहते हैं। उनके रहन-सहन और रीती-रिवाज विभिन्न है। तो भी सभी मिल-जुलकर रहते हैं। सभी धर्मों के त्योहारों में भेद-भाव के बिना सब लोग भाग लेते हैं। एक दूसरे की सहायता करते हैं। यही तो मानव धर्म है। भारत माता की दृष्टि में सभी भारतीय एकसमान है। भारत माता की रक्षा केलिए हमें एक होकर परिश्रम करना चाहिए।

५.

प्रकृति की सुन्दरता
सभी जीव - जन्तुओं का आश्रय
भूमिक्षरण को रोकता है
ऑक्सीजन
फल - फूल
औषधियाँ
लकडी
ईंधन

इन बिंदुओं के आधार पर ' पेडों की रक्षा ' विषय पर टिप्पणी लिखें।

सर्वशिक्षा अभियान, केरल
सतत मूल्यांकन – यूनिट टेस्ट – 2011-12
यू.पी - हिन्दी
कक्षा VI

मूल्य बिंदुएं

1.	वार्तालाप	प्रसंगानुकूल आपसी संबन्ध उचित भाषा
2.	कहानी	आशय व्यक्तता भाषा शैली कल्पना शीर्षक
3.	गीत	आशय व्यक्तता शब्द चयन कल्पना ताल-लय
4.	डायरी	आशय व्यक्तता आत्मनिष्टता भाषाशैली गठन
5.	टिप्पणी	आशय समग्रता अपना दृष्टिकोण क्रमबद्धता

(सभी बिंदुओं केलिए स्कोर 4/3/2/1)